प्रवेश तकनीकों का प्रदर्शन करने के लिए परियोजना "अग्नि" का प्रौद्योगिकी प्रदर्शन किया है ।

(ख) और (ग) "नाग" तीसरी पीढ़ी का उन्नत किस्म का टैंकरोधी प्रक्षेपास्त्र है जो भावी कवच को विफल कर सकता है । इसमें 4 किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाले प्रतिघातक कवच भी शामिल हैं । "त्रिशूल" तीव्र प्रतिक्रिया वाला पृथ्वी से आकाश पर मार करने वाला प्रक्षेपास्त्र है जो 9 किलोमीटर तक की दूरी तक मार कर सकता है । यह आकाश और समुद्री सतह के लक्ष्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है । "पृथ्वी" जमीन से जमीन पर मार करने वाला सामरिक युद्ध क्षेत्र प्रक्षेपास्त्र है । यह 150 किलोमीटर तक की दूरी वाले सामरिक लक्ष्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है । ये प्रक्षेपास्त्र अति आधुनिक प्रौद्योगिकियों से बनाए गए हैं और इनकी तुलना विश्वभर में इस श्रेणी के अन्य प्रक्षेपास्त्रों से की जा सकती है ।

गुजरात में रक्षा मंत्रालय की भूमि की बिक्री

2031. **श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी** : **क्या रक्षा मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गुजरात में रक्षा मंत्रालय की भूमि की बिक्री करने अथवा उसका वाणिज्यिक उपयोग करने के संबंध में कोई निर्णय किया है;

(ख) यदि हां, तो गुजरात में कुल कितनी भूमि उपलब्ध है तथा इस प्रयोजनार्थ निश्चित की गई भूमि का ब्यौरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में अपनायी गयी प्रक्रिया का ब्यौरा क्या है ?

रक्षा मंत्री (श्री शरद पवार) : (क) जी, नहीं । गुजरात में अभी तक कोई फालतू रक्षा भूमि नहीं पाई गई है ।

(ख) और (ग) उपर्युक्त (क) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठते ।

Test Flight of Advanced Light Helicopter

2032. SHRIMATI VEENA VERMA : SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE :

Will the Minister of DEFENCE be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 395 given in the Rajya Sabha on the 13th July, 1992 and state :

(a) whether the first indigenously built multimission Advanced Light Helicopter has successfully been test flown;

(b) if so, what are the salient features thereof, indicating the extent of import component, if any; and

(c) whether it has been found suitable and considered fit for military operations and what is the assessment of its hitting punch and manoeuvrability from military point of view ?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI SHARAD PAWAR) : (a) Yes, Sir.

(b) The ALH is a twin engined multi-role, multi-mission helicopter of 4/5 tonne class for both military and civil applications. It has a hingeless composite main rotor, bearingless composite tail rotor, integrated dynamics system, automatic flight control system etc. and more than 60% of the wetted area is made of composite structures. It has a seating capacity of 12 passengers plus 2 crew members and has a maximum cruise speed of 280 kilometres. The complete structure and transmission system as well as most of the avionics system components are indigenised. For the development programme, the engine and some of the equipment and raw-materials are imported.

(c) The ALH can be used for casualty evacuation, air observation/offshore operations, search and rescue, carriage of underslung loads, transport and air ambulance, etc. With integration of weapon systems it will also be able to perform offensive roles. Preliminary trials indicate that the ALH is very manoeuvrable.